

बी.एच.सी.सी. - 126

**चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
बी. ए. (गृह विज्ञान)**

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT)

जुलाई 2026 – जनवरी 2027 सत्रों के लिए

**पाठ्यक्रम कोड: बी. एच. सी. सी. -126
प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा**



**सतत शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली - 68**

बी. एच. सी. सी. -126: प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा
शिक्षक-चिह्नित सत्रीय कार्य
जुलाई 2026 – जनवरी 2027 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

कार्यक्रम मार्गदर्शिका में समझाया गया है कि IGNOU में मूल्यांकन दो भागों में होता है:

- i) सत्रीय कार्य के माध्यम से सतत मूल्यांकन
- ii) सत्रांत परीक्षा।

अंतिम परिणाम में, सत्रीय कार्य का 30% अंक (weightage) होता है और सत्रांत परीक्षा का 70% अंक (weightage) होता है। यह सत्रीय कार्य पुस्तिका मुख्य पाठ्यक्रम **BHCC-126 'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा'** पाठ्यक्रम हेतु है, जो चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (FYUP) के बी. ए. (गृह विज्ञान) द्वितीय वर्ष के कार्यक्रम का भाग है।

सत्रीय कार्य करने से पहले कार्यक्रम मार्गदर्शिका में दिए गए निर्देश अवश्य पढ़ें। यह आवश्यक है कि उत्तर अपने शब्दों में लिखें। उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के आसपास होने चाहिए। इससे आपके लेखन कौशल और विषय की समझ दोनों ही विकसित होंगी। इससे आप सत्रांत परीक्षा के लिए भी तैयार हो जाएंगे।

**** सत्रीय कार्य जमा करने के निर्देश: ****

- सत्रीय कार्य नियत समय सीमा में जमा करें ताकि आप सत्रांत परीक्षा के लिए पात्र हो सकें।
- यह सत्रीय कार्य **जुलाई 2026** और **जनवरी 2027** सत्र के लिए मान्य है। जमा करने की अंतिम तिथियाँ इस प्रकार हैं:

सत्रीय कार्य	जमा करने की तिथि	जमा करने का स्थान
सत्रीय कार्य (TMA) जुलाई 2026 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	31 मार्च 2027	आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को
सत्रीय कार्य (TMA) जनवरी 2027 सत्रों के विद्यार्थियों के लिए	30 सितंबर 2027	आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को

- आपको जमा किए गए सत्रीय कार्य की रसीद अध्ययन केंद्र से प्राप्त करनी होगी और उसे संभाल कर रखना होगा। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास रखें।
- अन्य सभी सत्रीय कार्य की तरह, इसे भी आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना होगा। आपका क्षेत्रीय केंद्र आपको अपनी वेबसाइट पर यह सत्रीय कार्य ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दे सकता है। कृपया अपने क्षेत्रीय केंद्र की वेबसाइट पर जाकर देखें कि ऑनलाइन जमा करने की सुविधा उपलब्ध है या नहीं।
- अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा और अंक विश्वविद्यालय को भेजेगा। कृपया सुनिश्चित करें कि आपको मूल्यांकित सत्रीय कार्य वापस मिले।

हम आपसे अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशानिर्देशों के अनुसार देंगे। आपके लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा:

योजना: प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें और प्रमुख बिंदुओं को व्यवस्थित करें।

संगठन: उत्तर की रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर:

क) तार्किक और सुसंगत हो;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही ढंग से लिखा गया हो।

प्रस्तुति: उत्तर साफ-सुथरा, बिंदुवार और शब्द सीमा के भीतर होना चाहिए।

शुभकामनाओं सहित,

पाठ्यक्रम समन्वयक

BHCC-126: प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा

शिक्षक- चिह्नित सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: BHCC-126/ASST/TMA/2026-27
जुलाई 2026 – जनवरी 2027
अधिकतम अंक: 100

नोट: किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य **दो खंडों** 'अ' और 'ब' में विभाजित है। आपको प्रत्येक खंड से कम से कम **दो प्रश्न** लगभग 600 शब्दों में हल करने होंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खंड – अ

1. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। छोटे बच्चों के 20
समग्र विकास में इसके महत्त्व की चर्चा कीजिए।
2. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में विकासात्मक रूप से उपयुक्त व्यवहारों के सिद्धांतों की 20
चर्चा कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि ये सिद्धांत छोटे बच्चों के लिए अधिगम अनुभवों की योजना बनाने में
किस प्रकार मार्गदर्शन कर सकते हैं।
3. प्रारंभिक बाल्यावस्था में खेल के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। विभिन्न प्रकार के खेलों की चर्चा कीजिए 20
तथा बच्चों के शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और संवेगात्मक विकास में उनकी भूमिका स्पष्ट
कीजिए।
4. गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को बढ़ावा देने में परिवार और समुदाय की 20
भूमिका की चर्चा कीजिए।
5. छोटे बच्चों के लिए सुरक्षित, प्रेरक एवं समावेशी अधिगम वातावरण के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। ऐसे 20
वातावरण के निर्माण में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के शिक्षक/शिक्षिका की भूमिका की
चर्चा कीजिए।
6. प्रारंभिक बाल्यावस्था के दौरान विकास के प्रमुख क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि प्रारंभिक 20
बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा का कार्यक्रम इन विकास क्षेत्रों को एकीकृत रूप से किस प्रकार
संबोधित कर सकता है।

7. प्रारंभिक बाल्यावस्था की शैक्षिक व्यवस्थाओं में अवलोकन एवं आकलन के महत्त्व की चर्चा कीजिए। 20
स्पष्ट कीजिए कि बच्चों के विकास एवं अधिगम को सहयोग प्रदान करने के लिए आकलन से प्राप्त जानकारी का उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है।

खंड – ब

8. प्रारंभिक बाल्यावस्था में पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। प्रारंभिक 20
बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा की व्यवस्था में बच्चों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने वाली
प्रथाओं की चर्चा कीजिए।

9. जीवन के प्रथम तीन वर्षों के दौरान प्रारंभिक उद्दीपन एवं अनुक्रियाशील देखभाल के महत्त्व की चर्चा 20
कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि देखभालकर्ता विकासात्मक रूप से उपयुक्त अनुभव किस प्रकार प्रदान कर
सकते हैं।

10. प्रारंभिक बाल्यावस्था में भाषा एवं साक्षरता संबंधी अनुभवों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। ऐसे 20
क्रियाकलापों की चर्चा कीजिए जो संचार, शब्दावली एवं उभरती हुई साक्षरता को बढ़ावा दे सकते हैं।

11. प्रारंभिक बाल्यावस्था में सामाजिक एवं संवेगात्मक विकास की भूमिका की चर्चा कीजिए। उन 20
रणनीतियों को स्पष्ट कीजिए जिनका उपयोग शिक्षक/शिक्षिका संवेगों के नियमन, सहानुभूति तथा
साथियों के साथ सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए कर सकते हैं।

12. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में समावेशन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। चर्चा 20
कीजिए कि प्रारंभिक बाल्यावस्था कार्यक्रम विभिन्न क्षमताओं, पृष्ठभूमियों एवं अधिगम संबंधी
आवश्यकताओं वाले बच्चों की आवश्यकताओं को किस प्रकार पूरा कर सकता है।

13. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा में पाठ्यचर्या नियोजन की भूमिका की चर्चा कीजिए। स्पष्ट 20
कीजिए कि समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए क्रियाकलापों, दैनिक दिनचर्या, अधिगम सामग्री तथा
खेल-आधारित अनुभवों को किस प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है।

14. प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा के शिक्षक/शिक्षिका की व्यावसायिक दक्षताओं एवं नैतिक 20
उत्तरदायित्वों के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। परिवारों एवं अन्य व्यावसायिक विशेषज्ञों के साथ सहयोग
की आवश्यकता की चर्चा कीजिए।